बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि २७ सितम्बर १९६१ ।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्यविवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि २७ सितम्बर, १९६१ को पूर्वाह्न ११ बजे सभापति श्री राम नारायण मंडल के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर ।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

फुलपरास नं० १ ब्लॉक में अधिकारियों का अभाव ।

१०८ । श्री रसिक लाल यादव—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि —

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत फुलपरास नं० १ ब्लॉक गत अप्रील, १९६१ से खोला गया है;

(२) यदि खंड (१) का उत्तर 'हां' में है, तो सरकार द्वारा उक्त ब्लॉक में एग्रीकल्चर सुपरवाइजर, कोऑपरेटिव सुपरवाइजर, सोसल ओर्गेनाइजर, ओवरसियर, कल्याण निरीक्षक, डाक्टर एवं इंडस्ट्री निरीक्षक को अभी तक नहीं भेजने का क्या कारण है और यदि सरकार उक्त लोगों को भेजना चाहती है, तो कब तक ?

*श्री दारोगा प्रसाद राय—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) एग्रीकल्चर सुपरवाइजर का पदस्थापन २४ मई के आदेश में हुआ है । प्रशिक्षित सुपरवाइजरों की कमी के कारण सहकारिता पयवेक्षक का पदस्थापन नहीं हो सका है । दो एक रोज में उनका भी पदस्थापन हो जायगा । तृतीय योजना अवधि में कमचारियों की संख्या में कमी कर कृषि उत्पादन की योजना के लिये अतिरिक्त राशि उपलब्ध करनी है । इसलिये यह प्रस्ताव विचाराधीन है कि समाज शिक्षा आयोजक का पद हटा कर उनके कार्य को प्रखंड के अन्य कमचारियों के बीच बांट दिया जाय । इसलिये समाज शिक्षा आयोजक की नियुक्ति का विषय स्थगित रखा गया है । कल्याण

HELP TO SHRI KANYALAL TEWARI.

1455. Shri RAMANAND SINGH : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Shri Kanyalal Tewari *alias* Devakinand Tewari of village Sheohar Babhan Toli, district Muzaffarpur had applied for political sufferer fund and he was informed that he would not get help vide letter B. M. P. T. 4030/57, No. 419, dated the 20th January 1959 ;

(2) whether it is a fact that he again applied on 12th May 1961 with the certificate of Bombay Pradesh Congress Committee, dated the 25th April 1961 that he participated in 1930 and 1932 satyagrah movements and courted 7½ months' R. I. in 1930 and two months' detention and 15 months' R. I. in 1932 movement and has suffered a lot ;

(3) whether it is a fact that he was informed that he would not get help as a political sufferer if so, what steps Government propose to take in this matter ?

श्री विनोदानन्द झा—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) श्री कन्हैया लाल तिवारी का आवेदन-पत्र, दिनांक १२ मई १९६१ को जो राष्ट्रपति को सम्बोधित था, गृहमंत्रणालय द्वारा प्राप्त हुआ, परन्तु जिस प्रमाण-पत्र का उल्लेख किया गया है, वह इसके साथ संलग्न नहीं था। उपर्युक्त प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि श्री ठाकुर गिरजा नन्दन सिंह, स०वि०स० के पत्र के साथ ८ सितम्बर १९६१ को प्राप्त हुआ है।

(३) इनके मामले पर विचार हुआ था, परन्तु राजनीतिक पीड़ित परामर्श दातृ समिति द्वारा किसी अनुदान की सिफारिश नहीं हुई थी। अतः इनको २० जनवरी १९५९ को यह सूचित किया गया था कि सरकार को यह संभव नहीं है कि इनकी प्रार्थना को स्वीकार करें। इनका आवेदन-पत्र जो १२ मई १९६१ का है, उस पर पुनः राजनीतिक पीड़ित परामर्शदातृ समिति द्वारा विचार किया जायगा।

RELIEF AND HELP TO EX-MILITARY MAN.

1456. Shri DEV NANDAN PRASAD : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that letter no. 486, dated the 13th April 1961 from this office of the district Gram Panchayat Office, Gaya had been sent to the Chief Secretary Bihar Government regarding the relief and help to an ex-military man and a political sufferer ;

(2) if the answer to the above clauses be in the affirmative, what action has been taken on that ?